छोटे उद्यमियों के लिए उदार बनें बैंक तभी सफल होंगे सरकारी प्रयास : खन्ना

कहा- प्रदेश की अर्थव्यवस्था दस खरब डॉलर बनाने में निभाएं सक्रिय भूमिका

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बैंकिंग प्रतिनिधियों से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए उदारता दिखाने का आह्वान किया है। कहा, सरकार के प्रयास तभी सफल होंगे, जब सरकारी बैंक भी इस सेक्टर के लिए उदार बनेंगे। बैंक मदद की मंशा से एमएसएमई सेक्टर को सहारा दें तभी प्रदेश दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। खन्ना बृहस्पतिवार को एसोचैम और इन्वेस्ट यूपी की ओर से गोमतीनगर स्थित एक होटल में आयोजित एमएसएमई सम्मेलन में बोल रहे थे।

दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन खन्ना ने बैंकों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। एसोचैम की चेयरपर्सन सुषमा पाल बर्लिया ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि एमएसएमई सेक्टर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। ओडीओपी योजना ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि ओडीओपी और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान से एमएसएमई को मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा के तहत सूक्ष्म इकाइयों को पांच लाख तक का बीमा कवर देकर सरकार ने आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया है।

कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा, छोटे उद्योगों के लिए व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा कठिन है, लेकिन राज्य सरकार इससे निपटने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, सब्सिडी जैसी सहूलियतें दे रही है। उन्होंने इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से स्किल डेवलपमेंट की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि सरकार पेटेंट जैसे जटिल विषयों पर हर तरह के सहयोग के लिए तैयार है। सरकार ने कई तरह के प्लेटफार्म और इंतजाम किए हैं, लेकिन जागरूकता की कमी से उद्यमी इनका लाभ नहीं उठा पाते।

इन्वेस्ट यूपी के एडिशनल सीईओ शशांक चौधरी ने बताया कि प्रदेश ने 33 से अधिक क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। यूपी कुशल कार्यबल और विशाल उपभोक्ता आधार के कारण पारंपरिक उद्योगों के साथ स्टार्टअप के लिए भी आदर्श स्थल है। प्रदेश की करीब 56% जनसंख्या 18 से 60 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में है। सम्मेलन में प्रमुख सचिव आलोक कुमार सहित एसोचैम के वरिष्ठ पदाधिकारी आदि शामिल हुए।

एसोचैम और इन्वेस्ट यूपी की ओर से बृहस्पतिवार को गोमतीनगर स्थित एक होटल में आयोजित एमएसएमई सम्मेलन को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने संबोधित किया। -एसोचैम

एसोचैम और इन्वेस्ट यूपी के एमएसएमई सम्मेलन में जुटे उद्यमी

पहले नकारात्मक था प्रदेश का माहौल : पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लघु और मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार वर्ष 2017 से ही काम कर रही है। पहले प्रदेश में निवेश का माहौल नकारात्मक था, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। कानून व्यवस्था बेहतर होने से निवेशक अब बेखौफ होकर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं।